

प्रेषक,

आर. के. सुधांशु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिष्ठाता,
प्रौद्योगिक महाविद्यालय,
पन्तनगर (ऊधमसिंह नगर)।

तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 20 फरवरी, 2015

विषय: प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पन्तनगर में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्रों हेतु अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत 225सीटर छात्रावास के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 में अगली किश्त की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII-I/2014 दिनांक 18.3.2014, शासनादेश संख्या 267/XLI-1/2014-108/2010 दिनांक 25.3.2014 तथा आपके पत्र संख्या : सी.टी.ई./आयोजनागत/2014-15/291 दिनांक 07.02.2015 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त कार्य हेतु स्वीकृत धनराशि ₹ 652.56 लाख के सापेक्ष अब तक अवमुक्त की जा चुकी धनराशि ₹ 200 लाख के उपरान्त अवशेष धनराशि में से वित्तीय वर्ष 2014-15 में अग्रेतर ₹ 100 लाख (₹ एक करोड़ मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए, निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त कार्य इसी संस्तुत धनराशि से समयबद्धता एवं वांछित गुणवत्तापूर्वक सम्पादित कराया जाएगा जिस हेतु आगणन/डी.पी.आर. का पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।
2. उक्त धनराशि का वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.3.2014, विशेषकर प्रस्तर-6 में निहित दिशानिर्देशानुसार व्यय किया जाएगा।
3. धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2015 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाआवश्यकता किश्तों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के 80 प्रतिशत उपयोग के बाद ही अगली किश्त का कोषागार से आहरण किया जाएगा।
6. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
7. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
8. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लाई जाए।

क्रमशः...

प्रेषक,

आर. के. सुधांशु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिष्ठाता,
प्रौद्योगिक महाविद्यालय,
पन्तनगर (ऊधमसिंह नगर)।

तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 20 फरवरी, 2015

विषय: प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पन्तनगर में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के छात्रों हेतु अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत 225सीटर छात्रावास के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 में अगली किश्त की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII-1/2014 दिनांक 18.3.2014, शासनादेश संख्या 267/XLI-1/2014-108/2010 दिनांक 25.3.2014 तथा आपके पत्र संख्या : सी.टी.ई./आयोजनागत/2014-15/291 दिनांक 07.02.2015 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त कार्य हेतु स्वीकृत धनराशि ₹ 652.56लाख के सापेक्ष अब तक अवमुक्त की जा चुकी धनराशि ₹ 200लाख के उपरान्त अवशेष धनराशि में से वित्तीय वर्ष 2014-15 में अग्रेतर ₹ 100लाख (₹ एक करोड़ मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए, निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त कार्य इसी संस्तुत धनराशि से समयबद्धता एवं वांछित गुणवत्तापूर्वक सम्पादित कराया जाएगा जिस हेतु आगणन/डी.पी.आर. का पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।
2. उक्त धनराशि का वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.3.2014, विशेषकर प्रस्तर-6 में निहित दिशानिर्देशानुसार व्यय किया जाएगा।
3. धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2015 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाआवश्यकता किश्तों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के 80प्रतिशत उपयोग के बाद ही अगली किश्त का कोषागार से आहरण किया जाएगा।
6. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
7. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
8. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लाई जाए।

क्रमशः...

9. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु मानकों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन कड़ाई से किया जाए।
10. शेष शर्तें/प्राविधान उपरोक्त संदर्भित शासनादेशों के अनुसार यथावत लागू होंगे।
11. उक्त अनुदान का देयक कॉलेज के वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी के द्वारा हस्ताक्षरित तथा जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा।
- 2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में 'आयोजनागत' पक्ष में 'अनुदान संख्या-30' के लेखाशीर्षक "4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-00-02-तकनीकी शिक्षा-105-इंजीनियरिंग/तकनीकी कॉलेज तथा संस्थान-03-पन्त कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पन्तनगर को सहायक अनुदान" के मानक मद "35- पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान" के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. H1502301492 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 18.3.2014 के द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर. के. सुधांशु)
सचिव।

संख्या : 111 (1)/XLI(1)/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर।
4. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, ऊधमसिंह नगर।
5. वित्त नियंत्रक, पन्तनगर विश्वविद्यालय।
6. परियोजना प्रबंधक, उ.प्र. राजकीय निर्माण निगम, मेडिकल कॉलेज इकाई, हल्द्वानी।
7. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
9. राज्य योजना आयोग, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. अनुसूचित जाति/जनजाति नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस. एस. टोलिया)
उप सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015
Secretary, Technical Education (Grants) (9009)

अलोटमेंट आई डी - H1502301492
आवंटन पत्र दिनांक - 19-Feb-2015

आवंटन पत्र संख्या -
अनुदान संख्या - 030

DDO Name - District Magistrate (For Grants) U S Naqar (4183) . Treasurv - U S Naqar (7500)

1: लेखा शीर्षक

4202 - शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय
105 - इंजीनियरिंग/तकनीकी कालेज तथा संस्थान
00 - पं

02 - तकनीकी शिक्षा

03 - पंत कालेज आफ टेक्नोलॉजी पन्तनगर

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
35 - पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	0	10000000	10000000
	0	10000000	10000000
			10000000

Total Current Allotment To DDO In Above Schemes -